



असाधार्ण EXTRAORDINARY

भ्रमा II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 329] नई विल्ली, सोमबार, जून 13, 1988/उगेष्ठ 23, 1910 No. 329] NEW DELHI, MONDAY, JUNE 13, 1988/JYAISTHA 23, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ शंख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के कप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

जल-भूतल परिषहन महालय

(पलन पक्ष)

अधिसूचना

नई विल्ली, 13 जून, 1988

मा.का नि.699(अ):-केन्द्रीय संस्कार, महापत्तन न्यास प्रधिनियम, 1963 (1963 का 3९) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए महास पोर्ट के न्यासी मजन में खनिज क धात क्यापार निगम का प्रतिनिधित्व करने के निष्श्री ए टी एस.सहनं महास्वत्य का स्विन व धातु क्यापार

1553 GI/88

निगम, महोस के स्थाद पर क्षी घार एस. कृष्णत, महापर्वधवः, किता स्वार्धः क्रियार कितान को धासी नियुक्त करती हैं भीर भारत सरकार, जल-भृतल परिवहन भंजास्व (पतान पक्ष) की खोडसूबतः पं. सा.का.नि. 412 (म) विमांक 30 सार्थ, 1988 में निम्निविधन संक्षोधन करती है, सर्थात् -

जनत प्रधिमूजना के क सं. 10 के घाने "श्री ए.टी.एस साहनी" के स्थान पर "श्री प्रार एम कृष्यत" पक्षा जाए ।

> [र्पा टी-18011-3/87-पी थी] योगेद्र नारायण, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th June, 1988

G.S.R. 699(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Major Port Trust Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby appoints Shri R. S. Krishnan, General Manager, MMTC, as a Trustee on the Board of Trustees of the Port of Madras to represent the Minerals and Metals Trading Corporation of India Limited vice Shri A. T. S. Sawhney, General Manager, MMTC, Madras and makes the following amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport (Ports Wing) No. G.S.R. 412(E), dated 30th March, 1988, namely:—

In the said notification, against serial No. 10 for the letters and words "Shri A. T. S. Sawhney", the letters and words "Shri R. S. Krishnan", shall be substituted.

[PT-18011-3|87-P.T.] YOGENDRA NARAIN, Jt. Sccy